संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, भारत और संबद्ध मुद्दे

यूपीएससी परीक्षा के किस पाठ्यक्रम से संबंधित	
प्रारम्भिक परीक्षा	**मुख्य परीक्षा**
प्रथम प्रश्न पत्र : अंतर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएँ	**द्वितीय प्रश्न पत्र :** महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां, उनकी संरचना और जनादेश

प्रसंग

- हाल ही में, सरकार ने लोकसभा में सूचित किया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में से चार ने द्विपक्षीय रूप से स्थायी सीट के लिए भारत की सदस्यता के समर्थन की आधिकारिक पुष्टि की है।
- ज्ञातव्य है कि यूएनएससी के पांच स्थायी सदस्यों में संयुक्त राज्य अमेरिका, रूसी संघ, फ्रांस, चीन और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। चीन को छोड़कर, अन्य सभी देशों ने भारत की सदस्यता का समर्थन किया है।

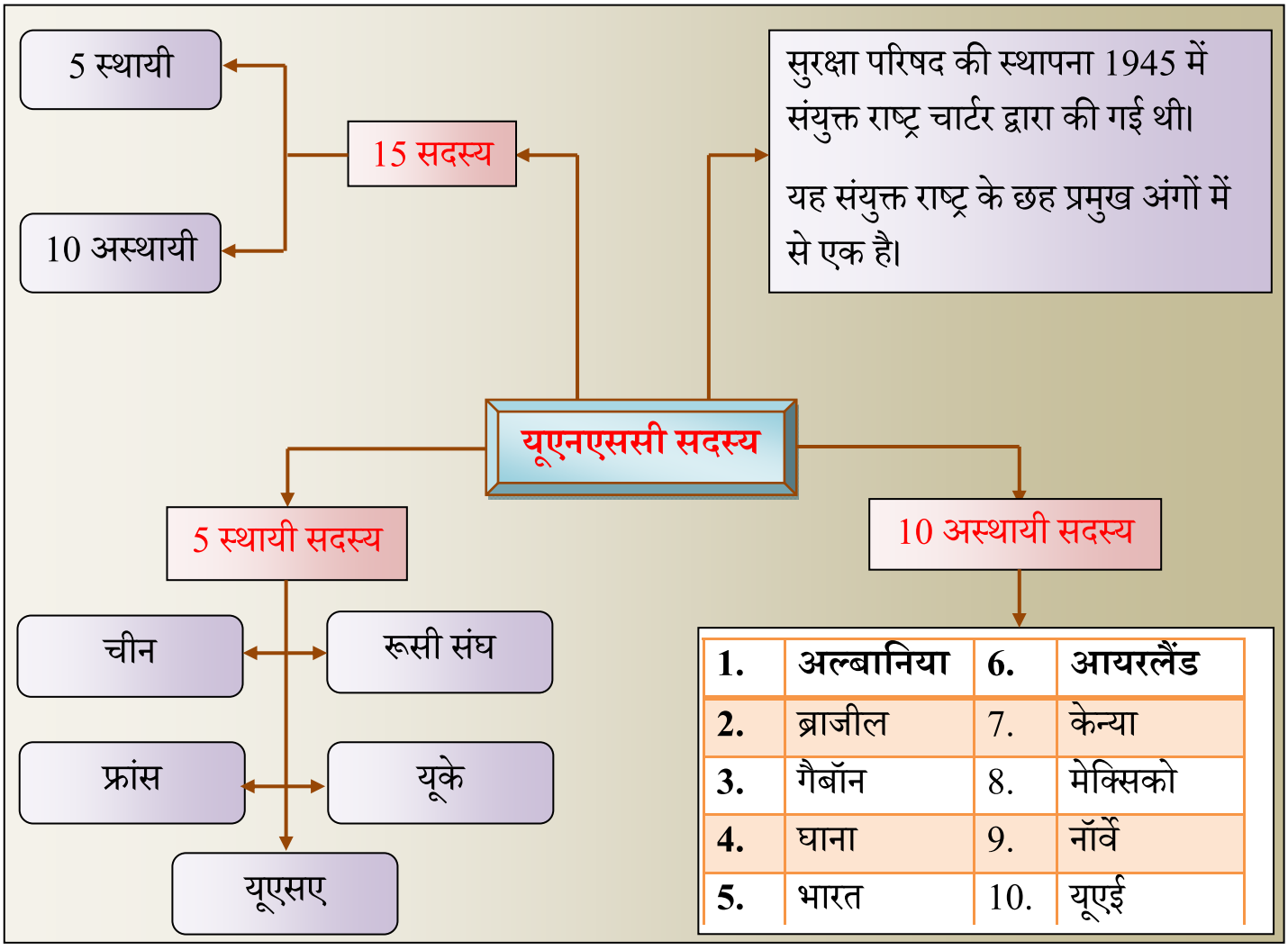

1.	**अल्बानिया**	**6.**	**आयरलैंड**
2.	ब्राजील	7.	केन्या
3.	गैबॉन	8.	मेक्सिको
4.	घाना	9.	नॉर्वे
5.	भारत	10.	यूएई

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद क्या है?

- 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर द्वारा स्थापित, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है।
- इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क में है।
- यूएनएससी की प्राथमिक जिम्मेदारी अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना है।
- इसके अतिरिक्त यूएनएससी एकमात्र संयुक्त राष्ट्र निकाय है, जिसके पास सदस्य देशों को बाध्यकारी प्रस्ताव जारी करने का अधिकार है।

यूएनएससी सदस्य और चयन प्रक्रिया

- जैसा कि ऊपर उल्लेखित है, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी और अस्थायी सदस्य होते हैं।
- परिषद में कुल 15 सदस्य हैं, जिनमें से 5 स्थायी सदस्य और 10 अस्थायी सदस्य हैं।
- पांच स्थायी सदस्यों में चीन, फ्रांस, रूसी संघ, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।
- गैर-स्थायी सदस्यों को संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) द्वारा दो वर्ष के लिए चयनित किया जाता है।
- यूएनएससी के पांच सदस्यों को प्रत्येक वर्ष बदल दिया जाता है।
- सदस्यों को दुनिया के सभी क्षेत्रों से चुना जाता है। तीन सदस्य अफ्रीका से हैं, जबकि एशिया, पश्चिमी यूरोप, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में दो-दो सदस्य हैं।
- तीन सदस्य अफ्रीकी समूह से हैं, 2 सदस्य एशिया-प्रशांत समूह से हैं, 2 सदस्य लैटिन अमेरिका और कैरिबियन समूह से हैं, 2 सदस्य पश्चिमी यूरोप समूह से और 1 पूर्वी यूरोप समूह से हैं।

संयुक्त राष्ट्र परिषद का प्रथम सत्र

- संयुक्त राष्ट्र परिषद का पहला सत्र 17 जनवरी 1947 को लंदन में आयोजित किया गया था।
- पांच स्थायी सदस्यों को वीटो पावर प्राप्त है, जिसका अर्थ है कि यदि इनमें से कोई भी देश किसी प्रस्ताव को वीटो करता है तो उसे पारित नहीं किया जा सकता है। भले ही उसके पास आवश्यक 9 वोट हों।

यूएनएससी की गैर-स्थायी सदस्यता और भारत

- जून 2020 में, भारत को एक अस्थायी सदस्य के रूप में यूएनएससी के लिए चयनित किया गया था।
- भारत को यूएनजीए में 193 वोटों में से 184 वोट प्राप्त हुए।
- यह सदस्यता 2021-22 के लिए है।
- वर्ष 2021-22 के लिए एशिया-प्रशांत श्रेणी से भारत एकमात्र उम्मीदवार था।
- यह यूएनएससी में भारत का आठवां कार्यकाल है।
- विदित है कि इससे पूर्व भारत वर्ष 1950-1951, 1967-1968, 1972-1973, 1977-1978, 1984-1985, 1991-1992 और 2011-12 में इसका अस्थायी सदस्य रह चुका है।
- इस अस्थायी सदस्यता के माध्यम से भारत अंतरराष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और बहुपक्षवाद के लिए जिम्मेदार और समावेशी समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत का दृष्टिकोण

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का दृष्टिकोण 5S द्वारा निर्देशित है:
    - संवाद
    - सम्मान
    - शांति
    - समृद्धि
    - सहयोग

भारत की यूएनएससी में गैर-स्थायी सदस्यता और अवसर

- भारत एक नए प्रतिमान को आकार देने के लिए महिलाओं और युवाओं की अधिक भागीदारी का आह्वान करता है।
- भारत विकास को बढ़ावा देने के लिए अभिनव और समावेशी समाधान लाने के लिए भागीदारों के साथ रचनात्मक रूप से कार्य करेगा।

- तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य, पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों की दृढ़ता और नई और जटिल चुनौतियों का उदय, सभी स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए सहयोग के लिए एक सुसंगत, व्यावहारिक और प्रभावी मंच की मांग करते हैं।
- भारत अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का प्रभावी ढंग से जवाब देगा और इस खतरे से इसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का मुकाबला करेगा।
- भारत निम्नलिखित के उद्देश्य से परिषद द्वारा ठोस और परिणामोन्मुखी कार्रवाई करेगा:
    - आतंकवादियों द्वारा आईसीटी के दुरुपयोग को संबोधित करना
    - प्रायोजकों और अंतरराष्ट्रीय संगठित आपराधिक संस्थाओं के साथ उनकी सांठगांठ को बाधित करना
    - आतंकी वित्त के प्रवाह को रोकना
    - अन्य बहुपक्षीय मंचों के साथ अधिक समन्वय के लिए नियामक और परिचालन ढांचे को मजबूत करना
- बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार
    - सुधारित बहुपक्षवाद कोविड 19 के बाद के समय के लिए अति आवश्यक है।
    - बहुपक्षीय संस्थानों में अधिक सहयोग को बढ़ावा देना।
    - परिणाम देने या नई चुनौतियों का सामना करने के लिए मौजूदा बहुपक्षीय संस्थानों की अपर्याप्तता पर व्यापक चिंता।
    - पहला और महत्वपूर्ण कदम सुरक्षा परिषद में सुधार है। इसे अधिक प्रभावी होने के लिए समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण

- राष्ट्रीय हित और अंतर्राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में सामंजस्य स्थापित करने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए भारत की दृष्टि निर्देशित है-
    - संवाद और सहयोग
    - परस्पर आदर
    - अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रति प्रतिबद्धता

भारत यूएनएससी में स्थायी सदस्यता की मांग क्यों कर रहा है

- भारत जनसंख्या के मामले में दूसरा सबसे बड़ा और दुनिया में सबसे बड़ा उदार लोकतंत्र है।
- भारत वैश्विक आबादी के छठे हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है ।
- संयुक्त राष्ट्र के संस्थापक सदस्यों में से एक है।
- हमेशा से अपने सिद्धांतों और साख को अनवरत रूप से बनाए हुए है।
- यूएन पीस कीपिंग फोर्स (यूएनपीकेएफ) के लिए प्रभावशाली योगदान देता है।
- भारत एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति है। साथ ही, देश क्रय शक्ति समानता में उच्च स्थान पर है।
- भारत की एक स्वतंत्र विदेश नीति है और बढ़ता अंतरराष्ट्रीय साख।

भारत यूएनएससी का स्थायी सदस्य क्यों नहीं है?

- भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का प्रयास कर रहा है, किन्तु भारत की राह में सबसे बड़ा बाधक चीन है।
- चीन अलग-अलग तर्कों-कुतर्कों के माध्यम से भारत की स्थायी सदस्यता का विरोध करता रहा है।
- इसके अलावा कई बार यूएनएससी संरचना में बदलाव की मांगें भी उठती रही हैं।
- विदित है कि यूएनएससी में विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व कम है, लेकिन कुछ स्थायी सदस्य देश इसमें किसी तरह के बदलाव का विरोध करते रहे हैं।
- भारत के अलावा जापान, जर्मनी और ब्राजील भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का प्रयास कर रहे हैं।

भारत द्वारा यूएनएससी की स्थायी सदस्यता के लिए किए जा रहे प्रयास

- भारत लगातार चीन के साथ यूएनएससी में सुधार का मुद्दा उठाता रहा है।
- चीन एकमात्र ऐसा देश है, जिसने अभी तक यूएनएससी का सदस्य बनने के लिए भारत के प्रयास का समर्थन नहीं किया है।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में से चार ने द्विपक्षीय रूप से विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की उम्मीदवारी के समर्थन की आधिकारिक पुष्टि की है।
- सरकार ने विस्तारित यूएनएससी में भारत के लिए स्थायी सदस्यता हासिल करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

- इस दिशा में सरकार ने भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन के लिए विभिन्न पहल की है। इस मामले को सभी स्तरों पर द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकों के दौरान लगातार उठाया जाता है।।
- चीन यूएनएससी सुधारों का समर्थन इस तरह से करता है, जिससे निकाय के अधिकार और प्रभावकारिता में वृद्धि हो और विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व बढ़े, ताकि छोटे और मध्यम आकार के देशों को अधिक अवसर मिले।
- समकालीन वैश्विक वास्तविकता को प्रतिबिंबित करने के लिए स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की मांग बढ़ रही है। भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और जापान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के प्रबल दावेदार हैं, जिसके पास अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की प्राथमिक जिम्मेदारी है।
- संयुक्त राष्ट्र की एक अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) प्रक्रिया सुधार के विभिन्न पहलुओं पर काम कर रही है, जिसमें सदस्यता की श्रेणियां, वीटो शक्ति और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व से संबंधित मुद्दे शामिल हैं।
- ज्ञातव्य है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के आईजीएन ढांचे के तहत वर्तमान में यूएनएससी सुधारों की प्रक्रिया पर चर्चा की जा रही है, जहां भारत समान विचारधारा वाले देशों के साथ वार्ता को तत्काल आधार पर शुरू करने पर जोर दे रहा है।
- भारत जी-4 (भारत, जापान, ब्राजील और जर्मनी) और एल.69 समूह (एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों का एक क्रॉस क्षेत्रीय समूह) में अपनी सदस्यता के माध्यम से अन्य सुधार-उन्मुख देशों के साथ भी काम कर रहा है।

जी-4 समूह

- जापान, जर्मनी, ब्राजील और भारत ने जी-4 (G4) समूह बनाया है।
- विदित है कि ये देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यता के लिये पारस्परिक रूप से समर्थन प्रदान करते हैं।

कॉफ़ी क्लब

- कॉफ़ी क्लब, राष्ट्रों का एक समूह है, जो G4 जैसे देशों द्वारा स्थायी सीटों के लिए की जा रही मांग का विरोध करते हैं।
- कॉफी क्लब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संभावित विस्तार के विरोध में 1990 के दशक में विकसित हुआ था।
- यह सुरक्षा परिषद के रूप और आकार पर किसी भी निर्णय पर पहुंचने से पहले आम सहमति की मांग कर रहा है।

निष्कर्ष

- विश्व के सबसे महत्वपूर्ण निकायों में से एक यूएनएससी 1945 की भू-राजनीतिक आर्किटेक्चर के अनुसार गठित है।
- विदित है कि चीन एकमात्र ऐसा देश है, जिसने अभी तक यूएनएससी का सदस्य बनने के लिए भारत के प्रयास का समर्थन नहीं किया है, जबकि अन्य सदस्य देशों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि कर दी है।
- भारत सरकार द्वारा चीन से भी समर्थन के प्रयास किए जा रहे हैं।
- फलतः संयुक्त राष्ट्र की बहुसंख्यक सदस्यता की मांग को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लेने का यह उपयुक्त समय है।

स्रोत: द हिन्दू, इंडियन एक्सप्रेस